सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

फिजीशियन इलाज करता है, लेकिन प्रकृति ठीक करती है। –हिप्पक्रेटीस

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 148 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 5 जुलाई, 2023

यूसीसी पर भाजपा को एआईएडीएमके... 7 | बिहार पर भी पड़ेगा महाराष्ट्र कां... 3 | पार्टियों को तोड़ना भी भ्रष्टाचार... 2

महाराष्ट्र में एनसीपी की लड़ाई शक्ति प्रदर्शन पर आई

» अजित गुट का दावा 40 विधायक साथ

» शरद गुट ने कहा-हमारे साथ ज्यादा एमएलए

» अजित की बैठक में पहुंचे राकांपा के 53 में से 35 विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के बीच शक्ति प्रदर्शन का दौर जारी है। अजित पवार जहां 40 विधायकों के समर्थन की बात कह रहे हैं वहीं शरद पवार के गुट ने भी ज्यादा से ज्यादा विधायकों के साथ होने दावा किया है। एनसीपी प्रमुख अजित पवार और शरद पवार की ओर से विधायकों को बैठक में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया गया।

हालांकि, बैठक की बात करें तो इसमें राकांपा का संख्याबल अजित पवार के साथ दिखा है। पार्टी के 53 में से 35 विधायक उनके साथ बैठक के लिए पहुंचे हैं। उधर अजित पवार गुट एमईटी बांद्रा में पहुंचे राकांपा नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं से उनके समर्थन के लिए शपथ पत्र ले रही है।

शरद पवार की बैठक में 13 विधायक

एनसीपी प्रमुख शरद पवार की बैठक में कुल 13 विधायक शामिल हुए हैं। इसके अलावा बैठक में तीन एमएलसी और पांच सांसद भी मौजूद हैं। विधायकों में अनिल देशमुख, रोहित पवार, राजेंद्र शिंगणे, अशोक पवार, किरण लाहामाटे, प्राजक्त तानपुरे, बालासाहेब पाटिल, जितेंद्र आव्हाड, चेतन विट्ठल, जयंत पाटिल, राजेश टोपे, संदीप और देवेंद्र भूयर शामिल हैं।

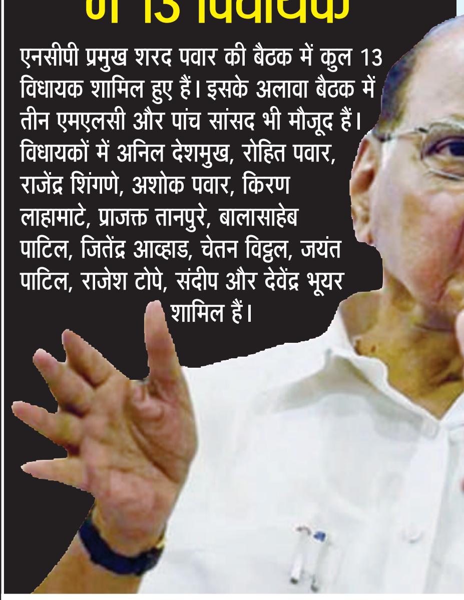

छगन भुजबल का दावा- 40 विधायक हमारे साथ

अजित पवार गुट के नेता छगन भुजबल ने दावा किया है कि 40 से अधिक विधायक और एमएलसी उनके साथ हैं। हमने शपथ लेने से पहले पूरी मेहनत की है। हमने शपथ ऐसे ही नहीं ले ली।

शरद पवार हमारे देवता हैं, हम उनका आशीर्वाद चाहते हैं : अजित

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार पर हमला बोला। अजित ने शरद पवार की उम्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि बीजेपी में नेता 75 साल की उम्र में रिटायर हो जाते हैं। आपकी उम्र 80 के पार हो गई है, आप रिटायर क्यो नहीं हो जाते। अजित पवार ने आगे कहा कि 2004 में कांग्रेस से अधिक विधायक होने के बावजूद एनसीपी ने सीएम पद का मौका खो दिया था। अजित पवार ने कहा मैं चुप बैठा तो लोग समझेंगे, मुझमें ही खोट है। शरद पवार हमारे देवता हैं, हम उनका आशीर्वाद चाहते हैं। अजित पवार ने आगे कहा कि मैं लोगों के कल्याण के लिए अपनी कुछ योजनाओं को लागू करने के लिए महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना चाहता हूं।

दिसंबर में हो सकते हैं लोस और महाराष्ट्र विस चुनाव : रोहित

महाराष्ट्र में चल रही सियासी उथलपुथल के बीच एनसीपी ने दावा किया है कि लोकसभा चुनाव और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव इसी साल हो सकते हैं। एनसीपी के विधायक और शरद पवार के पोते रोहित पवार ने बातचीत में कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव से 5-6 महीने पहले ईवीएम मशीन चेक की जाती हैं और चार दिन पहले महाराष्ट्र के अधिकारियों को ईवीएम तैयार करने के निर्देश मिले हैं। रोहित पवार ने बुधवार (5 जुलाई) को कहा कि ये सीधे तौर पर इशारा है।

83 वर्षीय योद्धा (शरद पवार) का समर्थन करें : सुप्रिया सुले

एनसीपी की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले और प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने वीडियो संदेश जारी कर सभी एनसीपी पदाधिकारियों और नेताओं से बैठक में शामिल होने के लिए कहा है। उन्होंने अपने नेताओं से अपील की है कि 83 वर्षीय योद्धा (शरद पवार) का समर्थन करें।

अपने नेताओं की नाराजगी नहीं झेल सकते : संजय शिरसाट

एकनाथ शिंदे वाली शिवसेना के नेता संजय शिरसाट ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि राजनीति में जब हमारा प्रतिद्वंद्वी हमारे साथ आना चाहता है, तो हमें उन्हें शामिल करना पड़ता है। वहीं भाजपा ने किया है। शिवसेना नेता ने आगे कहा कि एनसीपी के नेताओं के आने से हमारे कुछ लोग नाराज है, क्योंकि उनमें से कुछ को पद मिलने वाला था, जो अब नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम झूठ क्यों बोलें कि सब खुश है। सच यही है कि हमारे सभी नेता इस फैसले से खुश नहीं है। शिरसाट ने कहा कि इस बात से मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री को अवगत करा दिया गया है। उन्हें इस मुद्दे को हल करना होगा। क्योंकि अपने नेताओं का नाराज होना भी पार्टी के लिए ठीक नहीं है।

गोलीबारी से दहला दिल्ली का तीस हजारी कोर्ट परिसर

वकीलों के बीच हुई बहस के बाद फायरिंग

» मौके पर पहुंची पुलिस टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट परिसर में गोलीबारी की घटना सामने आई है। गोलीबारी में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। पुलिस का कहना है कि वकीलों के बीच हुई बहस के बाद यह घटना हुई।

जानकारी के अनुसार, बुधवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे गोलीबारी की घटना की सूचना मिली। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो पता चला कि वकीलों की आपस में बहस हुई। इसके बाद दो अलग-अलग गुटों ने कथित तौर पर हवा में गोलीबारी की थी। घटना में किसी को भी नुकसान नहीं हुआ है। इस समय स्थिति सामान्य है।

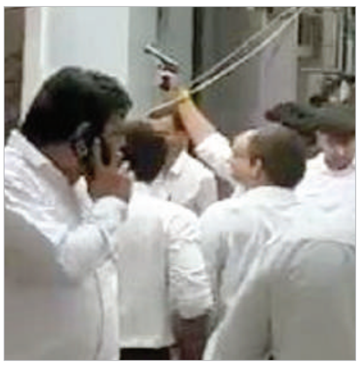

पहले भी हो चुकी हैं कई घटनाएं

इससे पहले भी दिल्ली की कोर्ट में फायरिंग की घटनाएं सामने आती रही हैं। अप्रैल महीने में भी साकेत कोर्ट में कड़ी सुरक्षा के बावजूद एक शख्स ने महिला पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी थीं। इसके बाद भी कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हुए थे।

तीस्ता को 'सुप्रीम' राहत

» अंतरिम सुरक्षा की अवधि बढ़ाई गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता सीतलवाड़ को एक मामले में फिर से राहत प्रदान की है। शीर्ष अदालत ने 2002 के गुजरात दंगों के संबंध में कथित तौर पर सबूत गढ़ने के एक मामले में तीस्ता सीतलवाड़ को दी गई अंतरिम सुरक्षा बढ़ा दी है।

बता दें कि अहमदाबाद अपराध शाखा ने जून 2022 को तीस्ता सीतलवाड़ को गिरफ्तार किया था। इस मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी आरबी कुमार और संजीव भट्ट सहआरोपी बनाए गए थे।

19 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 19 जुलाई को तय की है। इससे पहले गुजरात हाई कोर्ट ने नियमित जमानत के लिए उनकी अर्जी खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने उन्हें तत्काल आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। इस पर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। बता दें कि गुजरात दंगों के बाद फर्जी शपथपत्र और झूठे गवाह बनाकर निर्दोष लोगों को सजा दिलाने की साजिश रचने के मामले में तीस्ता सीतलवाड़ को आरोप मुक्त करने की अर्जी का राज्य सरकार ने विरोध किया है।

पार्टियों को तोड़ना भी भ्रष्टाचार की तरह : अखिलेश

जनता जो जनादेश देती है उसका अपमान करती है भाजपा

» बोले-जो अच्छा चेहरा होगा सपा उसे लड़ाएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा हमेशा कहती रही है भ्रष्टाचार खत्म होगा। क्या पार्टियों को तोड़ना भ्रष्टाचार नहीं है? यूपी के पूर्व सीएम गत दिन अयोध्या में थे। वह यहां सपा के पूर्व जिला अध्यक्ष स्वर्गीय गंगा सिंह यादव को श्रद्धांजलि देने के लिए आए थे।

यहां पर मीडिया से बात करते हुए अखिलेश ने कहा कि जो महाराष्ट्र में हुआ, वो नया नहीं है। बीजेपी ये काम किया करती है। विधायकों को पद और पैसे का लाभ दिखाकर उनको उनकी पार्टी से तोड़ लिया जाता है। क्या यह भ्रष्टाचार नहीं है। भाजपा लगातार लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए भाजपा काम करती रहती है। जनता जो जनादेश देती है उसका अपमान करने का काम कोई करता है तो वह है भारतीय जनता पार्टी। उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी अपने चरम पर है। बीजेपी का ध्यान इन बातों में नहीं है। वह जनता को दूसरे मुद्दों पर भटकाया करती है। उन्होंने कहा कि 2024 में सपा और सहयोगी दलों की ऐतिहासिक जीत होगी।

वरुण गांधी को सपा के टिकट पर लड़ाने के सवाल पर बोले अखिलेश यादव कि अभी इस पर कुछ नहीं कह सकते। पर जो अच्छा चेहरा होगा सपा उसे लड़ाएगी। अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के सवाल अखिलेश ने कहा कि मंदिर का निर्माण होने के बाद वे रामलला का दर्शन जरूर करेंगे।

गड्ढा मुक्त यूपी की खुली पोल

बारिश के बाद सड़क पर जगह-जगह सड़क धसने की घटना को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर करारा हमला बोल दिया है। अखिलेश ने ट्वीट कर बीजेपी के गड्ढामुक्त सड़कों के दावों पर निशाना साधते हुए कहा कि ये है भाजपा के गड्ढा मुक्त यूपी के दावे का जमींदोज सच। उन्होंने लिखा बलरामपुर हॉस्पिटल के पास सड़क धंसने से गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं क्योंकि आम जनता के अलावा यहां से बसें और ऐंबुलेंस भी आती जाती हैं। पूर्व सीएम ने इस गड्ढे की तुरंत पक्की मरम्मत करवा कर भ्रष्टाचारियों पर तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं जिम्मेदार अधिकारियों की मौजूदगी में इस गड्ढे को पाटने का काम चल रहा है।

मायावती को पीएम प्रत्याशी के रुप में उतारे विपक्ष : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर का कहना है कि विपक्ष को मायावती को मनाकर प्रधानमंत्री का चेहरा बनाना चाहिए। उनके बिना विपक्षी एकता यूपी में बेकार है। राजभर ने कहा कि बसपा प्रमुख मायावती कुशल प्रशासक रही हैं। 13 प्रांतों में उनकी पार्टी का जनाधार है और देश में वह एक बड़ा चेहरा हैं।

विपक्ष को मायावती को प्रधानमंत्री का चेहरा मानकर उनको मना लेना चाहिए। जब तक उनको साथ नहीं लेंगे तब तक यहां (यूपी) चाहे ममता बनर्जी, केसीआर, लालू यादव या चाहे कोई भी आ जाए, यूपी में कोई मतलब नहीं है। मतलब अगर है तो पश्चिम में जयंत चौधरी, पूर्व में ओम प्रकाश राजभर और पूरे प्रदेश में 80 प्रतिशत लोकसभा सीट का मतलब है तो बहुजन समाज पार्टी से है इन तीनों के बगैर विपक्षी एकता बेकार है। ओम प्रकाश राजभर का ये बयान ऐसे समय में आया है जब उनके एनडीए में जाने के लेकर भी चर्चाएं तेज हैं. पिछले दिनों राजभर ने दिल्ली में बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से भी मुलाकात की थी, लेकिन अब राजभर एक बार फिर से विपक्षी दलों को यूपी में जीत का फॉर्मूला सुझा रहे हैं और मायावती को साथ लाने की सलाह दे रहे हैं । जिसके बाद उनके अगले कदम को लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं कि आखिर राजभर किस तरफ जाने के मूड में है।

भाजपा सरकार की दमनकारी नीतियों को करेंगे उजागर: खाबरी

» प्रदेश की हर लोकसभा सीट लड़ने के लिए तैयार है कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी ने प्रदेश की सभी लोसभा सीटों पर पूरी तैयारी से चुनाव लड़ेंगे। हर सीट पर दमदार उम्मीदवार उतारा जाएगा। भाजपा शासन की दमनकारी नीतियों को उजागर किया जाएगा। जहां तक गठबंधन की बात है तो इस पर शीर्ष नेतृत्व फैसला लेना। जैसा आदेश होगा, उसी हिसाब से आगे की रणनीति बनाई जाएगी।

पूर्व सांसद खाबरी ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह गठबंधन के पक्ष में नहीं है। क्योंकि प्रदेश की जनता कांग्रेस की ओर देख रही है। हर दल के लोग कांग्रेस का हाथ थाम रहे हैं। यह सुखद संदेश है।

पीएम को देश की फिक्र नहीं, राहुल जनता का दुख दर्द बांट रहे हैं

उन्होंने प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें देश की फिक्र नहीं है। वह विदेश यात्रा में मस्त हैं, जबकि कांग्रेस के अगुआ राहुल गांधी जनता का दुख दर्द बांट रहे हैं। राहुल गांधी का जनता के दुख में शामिल होना भी भाजपा को पसंद नहीं आ रहा है। यही वजह है कि वे अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि पार्टी हर स्तर पर भाजपा से लड़ने के लिए तैयार है। जल्द ही प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा भी कर दी जाएगी।

भाजपा नेता की संपत्ति हो ध्वस्त : मायावती

» बसपा सुप्रीमो की मांग : आदिवासी युवक पर पेशाब करने की घटना शर्मनाक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मध्य प्रदेश के भाजपा नेता पर सख्त कारवाई की मांग की है। ज्ञात हो कि प्रदेश के सीधी जिले में पूर्व विधायक प्रतिनिधि प्रवेश शुक्ला के एक आदिवासी युवक पर पेशाब करने की घटना पर पूर्व सीएम ने बेहद तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने मांग की है कि आरोपी भाजपा नेता पर सख्त कार्रवाई की जाए। उस पर एनएसए लगाया और उसकी संपत्ति जब्त व ध्वस्त की जाए। मायावती ने ट्वीट कर कहा कि मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक आदिवासी/दलित युवक पर स्थानीय दबंग नेता द्वारा पेशाब किए जाने की घटना अति-शर्मनाक है। इस अमानवीय कृत्य की जितनी भी निन्दा की जाए वह कम है। इसका वीडियो वायरल होने के बाद ही सरकार का जागना इनकी संलिप्तता को साबित करता है, यह भी अति-दुःखद है। उन्होंने आगे ट्वीट कर कहा कि मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा इस संबंध में मुजरिम को बचाने व उसे अपनी पार्टी का न बताने आदि को त्याग कर उस अपराधी के खिलाफ केवल एनएसए ही नहीं लगाएं बल्कि उसकी सम्पत्ति को जब्त और ध्वस्त करने की कार्रवाई करनी चाहिए। ऐसी घटनाएं सभी को शर्मसार करती हैं।

आरोपी गिरफ्तार, चलेगा बुलडोजर : नरोत्तम मिश्रा

सीधी। सीधी विधायक पंडित केदारनाथ शुक्ला के पूर्व विधायक प्रतिनिधि प्रवेश शुक्ला को आदिवासी युवक पर पेशाब करने के मामले में मंगलवार रात करीब दो बजे गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को सीधी पेशाब कांड पर कहा कि कृत्य बहुत घृणित और निंदनीय था। कानून अपना काम कर रहा है। ये भाजपा की सरकार है यहां कानून का राज है। घटना सामने आने के बाद तत्काल मुख्यमंत्री जी के कहने पर एनएसए की कार्रवाई और कानूनी कार्रवाई कर दी थी, उसे रात में गिरफ्तार कर लिया गया है। अतिक्रमण पर बुलडोजर भी चलेगा।

आरोपी विधायक प्रतिनिधि है

आरोपी युवक प्रवेश शुक्ला सीधी विधायक केदारनाथ शुक्ला का पूर्व विधायक प्रतिनिधि है। वर्तमान में वह भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता है। वीडियो करीब नौ दिन पुराना है जो कि सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें प्रवेश शुक्ला एक मानसिक मंदित युवक पर पेशाब करता हुआ नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि प्रवेश शुक्ला नशे में था।

बीजेपी-मोदी से ऊब रहे लोग : अरुण यादव

» बोले-मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में बनेगी कांग्रेस की सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। पूर्व केंद्रीय मंत्री व कांग्रेस नेता अरुण यादव ने कहा है कि जनता अब धीरे-धीरे बीजेपी और पीएम मोदी और अमित शाह से ऊब चुकी है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि हिमाचल और कर्नाटक के जो नतीजे आए हैं, उसे स्पष्ट है कि देश की जनता बदलाव चाहती है।

पहले भी सिंधिया जी का यहां कुछ नहीं था और अभी भी कुछ नहीं है। सिंधिया जी की अब क्या स्थिति है, उनसे जाकर पूछिए। मध्यप्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर ग्वालियर-चंबल अंचल सियासत का केंद्र बिंदु बन चुका है। अंचल में बीजेपी के साथ-साथ कांग्रेस के तमाम बड़ी दिग्गज नेताओं का आना शुरू हो गया है। इस महीने प्रियंका गांधी भी ग्वालियर-चंबल अंचल के दौरे पर आ रही हैं। इसी को लेकर केंद्रीय मंत्री अरुण यादव राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश के सह प्रभारी शिव भाटिया सहित तमाम बड़े कांग्रेस के नेता यहां पर आए हुए हैं। सबसे पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा है कि संभवत 22 जुलाई को प्रियंका गांधी ग्वालियर के दौरे पर आने वाली हैं। इस दौरान ग्वालियर चंबल अंचल के सभी कार्यकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित होगा, जिसको लेकर सभी तैयारियों में जुटे हैं। गौरतलब है कि ग्वालियर में कांग्रेस के तमाम बड़े दिग्गज नेताओं का जमावड़ा है। प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर तमाम बड़े कांग्रेसी नेता यहां पर एकजुट हुए हैं और रणनीति जुटा रहे हैं बताया अभी जा रहा है कि प्रियंका गांधी की आम सभा में लगभग एक लाख से अधिक की संख्या में भीड़ जुटाने का दावा किया है।

सिंधिया के लिए कोई प्लान नहीं

इसी क्रम में मध्यप्रदेश की सभी वरिष्ठ नेताओं को सोनिया गांधी और राहुल गांधी जी ने अलग-अलग जिम्मेदारियां दी हैं। इसी को लेकर सभी वरिष्ठ नेतृत्व अलग-अलग संभागों में अपनी रणनीति तैयार कर रहे हैं और कार्यकर्ताओं से बातचीत करने में जुटे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि सिंधिया के गढ़ में कोई एक्शन प्लान नहीं है।

भाजपा पर चढ़ गया सत्ता का नशा : कमलनाथ

सीधी के पेशाब कांड पर पूर्व सीएम कमलनाथ ने कह कि आज मेरा मन मध्यप्रदेश के आदिवासी भाई बहनों के अपमान की घटनाओं से बहुत दुखी है। सीधी जिले में एक आदिवासी युवक के ऊपर भाजपा नेता के पेशाब करने का वीडियो देखकर रूह कांप जाती है। क्या सत्ता का नशा इस कदर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर चढ़ गया है कि वे इंसान को इंसान नहीं समझ रहे। यह घटना आदिवासी अस्मिता पर प्रहार है। यह घटना टंट्या मामा और बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों का अपमान है। यह घटना मध्यप्रदेश के करोड़ों आदिवासी भाई बहनों का अपमान है। मैं शिवराज सरकार को चेतावनी देता हूं कि आदिवासी समाज पर हो रहे अत्याचारों को सरकारी संरक्षण देना बंद करें। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से आदिवासी समाज के साथ खड़ी है और उन्हें न्याय दिला कर रहेगी।

बिहार पर भी पड़ेगा महाराष्ट्र का असर!

» विपक्ष बोला-साजिश के तहत तोड़फोड़ में लगी बीजेपी

» एकजुटता देखकर घबरा गए हैं मोदी: जदयू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजनीति में आजकल सियासी उठापटक जारी है। महाराष्ट्र में एनसीपी को टूट के बाद बिहार में जदयू के टूटने का अंदेश लगाया जा रहा। विपक्ष कह रहा भाजपा एकजुटता से घबराकर साजिश रच रही है। सूत्रों का कहना रहे है कि बीजेपी महाराष्ट्र की पटकथा ही बिहार में भी देहराने की फिराक में है। वहीं कुछ जानकारों का कहना है कि जेडीयू को बीजेपी से अधिक खतरा उसकी सहयोगी पार्टी आरजेडी से ही है। तेजस्वी यादव को सीएम बनाने को बेताब लालू यादव ऐसी चाल चल सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो सबसे ज्यादा नीतीश को नुकसान हो सकता है।

बिहार के भाजपा नेता सुशील मोदी ने दावा किया है कि जेडीयू टूट जाएगा। यह बात बीजेपी के लोग जितने आत्मविश्वास से कह रहे हैं, उतने ही पुख्ता अंदाज में कुछ दिन पहले तक नीतीश कुमार के मंत्रिमंडल में शामिल रहे हम के अध्यक्ष संतोष सुमन भी बता रहे। लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवान और लोजपा नेता केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस भी यही राग अलाप रहे हैं।। उपेंद्र कुशवाहा ने तो जेडीयू में रहते यह बात कहनी शुरू की थी और अब भी इस बात को दोहराते रहते हैं। महाराष्ट्र में एनसीपी की टूट के बाद यह सवाल बिहार में शिद्दत से उठ रहा है।

6 विधायक मिल गए तो तेजस्वी बन सकते हैं सीएम

नीतीश कुमार अपने 43 विधायकों के साथ जब एनडीए में थे तो आरजेडी के नेतृत्व वाले महागठबंधन में 116 विधायक थे। बिहार में सरकार बनाने के लिए 122 विधायकों की जरूरत पड़ती है। इसका मतलब यह कि तेजस्वी यादव अगर 6 विधायकों का बंदोबस्त कर लें तो वे नीतीश कुमार को अपने दम पर अपदस्थ कर सकते हैं। हालांकि इन 6 विधायकों के लिए उनके पास तीन आप्शन हैं। पहला यह कि नीतीश का साथ छोड़ कर एनडीए का हिस्सा बनने जा रहे जीतन राम मांझी की पार्टी के 4 विधायकों को अपने पाले में करें। फिर भी उन्हें दो की कमी रह जाएगी। इसलिए यह उन्हें सूट नहीं करेगा। बीजेपी को तोड़ पाना उनके लिए टेढ़ी खीर है। ऐसे में सबसे साफ्ट टार्गेट जेडीयू ही दिखता है, जिसके 43 विधायक हैं। ओवैसी की पार्टी के 5 में से 4 विधायक टूट कर पहले ही आरजेडी में शामिल हो गए थे। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो जेडीयू रहित महागठबंधन को सत्ता के लिए सिर्फ 6 विधायकों की जरूरत है। यानी आरजेडी गठबंधन के पास अभी 116 विधायक हैं। बिहार में बहुमत का आंकड़ा 122 है। नीतीश कुमार के मौजूदा मंत्रिमंडल में अभी उनको लेकर 12 मंत्री हैं। आरजेडी इतने ही मंत्री पद का लालच देकर जेडीयू को आसानी से तोड़ सकता है।

लालू और ललन ने किया खारिज

इन कयासों पर पानी फेरने के लिए जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह को सामने आने पड़ा। विदेश दौरे से लौटते ही उन्होंने दो बातें स्पष्ट कीं। पहला यह कि जेडीयू में टूट की आशंका वही लोग जता रहे हैं, जिनकी आदत पार्टियों को तोड़ने की रही है। दूसरा कि अपने बयान से वे अपने समर्थकों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि महाराष्ट्र की घटना से घबराने की कोई बात नहीं। बिहार में महागठबंधन की पार्टियां फेविकोल से चिपकी हैं। ये न अलग होंगी और न कोई पार्टी एनसीपी की तरह बिहार में टूटेगी। आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव भी नीतीश कुमार पर लिखी पुस्तक के लोकार्पण समारोह में भी यही बोले कि बिहार को महाराष्ट्र समझने की भूल भाजपा न करे। बिहार का मिजाज दूसरा है और बीजेपी को महागठबंधन धूल चटा देगा।

सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है

बीजेपी ही जेडीयू को तोड़ेगी या जेडीयू खुद टूट जाएगा, ऐसा कहने वाले तो महागठबंधन से अलग अस्तित्व रखने वाले कई नेता हैं। लेकिन हम के नेता और पूर्व मंत्री संतोष सुमन ने तो बिल्कुल अलग ढंग की बात कह कर सबको चौंका दिया है। सुमन की मानें तो जेडीयू के महागठबंधन में शामिल होते वक्त ही यह तय हो गया था कि जितनी जल्दी हो, नीतीश कुमार विपक्षी एकता की बागडोर संभालें और राष्ट्रीय राजनीति में अपनी किस्मत आजमाएं। नीतीश को आरंभ में यह प्रस्ताव अच्छा लगा और उन्होंने एनडीए का साथ झटके में छोड़ दिया। वादे के मुताबिक आरजेडी ने नीतीश को सीएम तो बना दिया, लेकिन जब नीतीश के सामने अपना वादा पूरा करने का वक्त आया तो वो आनाकानी कर रहे हैं। इसलिए आरजेडी ने नीतीश को अब अल्टीमेटम दिया है कि जल्द से जल्द तेजस्वी को सीएम बनाएं और अपने को विपक्षी एकता के लिए आजाद करें। नीतीश को यह चेतावनी भी आरजेडी ने दी है कि ऐसा नहीं करने पर उनके ही विधायकों को तोड़ कर महागठबंधन तेजस्वी की ताजपोशी करा देगा।

सबका मन टटोलने में लगे नीतीश

माना जा रहा है कि नीतीश कुमार आरजेडी की धमकी से बेचैन हैं। उन्हें इस बात का आभास हो गया है कि आरजेडी उनके साथ खेल करने की तैयारी में है। भाजपा का भय तो उसी दिन से है, जब उन्होंने एनडीए छोड़ा था। यही वजह रही कि उन्होंने अपने सांसदों, विधायकों और विधान परिषद के साथियों से वन टू वन मुलाकात कर उनका मिजाज भांपने की कोशिश की है। वे उनका मन टटोलते रहे कि क्या बीजेपी या आरजेडी अगर कोई ऐसा कदम उठाती है तो उनका रुख क्या होगा। हालांकि कहा यह जाता रहा है कि नीतीश ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों के मद्देनजर विकास कार्यों की प्रगति के बारे में जानकारी ली। विपक्षी एकता प्रयासों के बारे में लोगों के रुझान पता करने की कोशिश की। पर, यह बात इसलिए गले नहीं उतरती है कि नीतीश ने इससे पहले कभी किसी विधायक या सांसद से बात करने की जहमत नहीं उठाई और अभी वे इसकी जरूरत महसूस करने लगे हैं।

दल-बदल कानून का तोड़

आरजेडी अगर जेडीयू को तोड़ता है तो दल-बदल कानून की समस्या उत्पन्न हो सकती है। आरजेडी को इसकी भी परवाह नहीं है। इसलिए कि दल-बदल मामले की सुनवाई विधानसभा अध्यक्ष को करनी होती है। विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे अवध बिहारी चौधरी आरजेडी के टिकट पर ही चुन कर आए हैं। मामला उनके पास गया तो वे सुनवाई के नाम पर लंबा वक्त लगा सकते हैं। तब तक विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल ही समाप्त हो जाएगा। ऐसा सोचना महज कोरी कल्पना नहीं है, बल्कि बिहार से अलग होकर बने झारखंड में ऐसा हो रहा है। बाबूलाल मरांडी ने अपनी पार्टी जेवीएम का बीजेपी में विलय कर दिया। उन्हें बीजेपी ने विधायक दल का नेता बना दिया। उनके खिलाफ दल बदल का मामला चार साल से विधानसभा अध्यक्ष के पास है। अगले साल विधानसभा का कार्यकाल भी खत्म हो जाएगा, लेकिन मरांडी के मामले में स्पीकर ने अभी तक फैसला नहीं दिया है।

यूपी में बढ़ रही छोटे दलों की महत्वाकांक्षा

» भाजपा व सपा से हाथ मिलाने को बेकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र की टूट-फूट का असर यूपी पर पड़ना स्वाभाविक है। अभी गत दिनों महाराष्ट्र के नेता राम अठावले ने कहा था कि यूपी में जयंत भी विपक्ष का साथ छोड़ेंगे पर उन्होंने इसको खारिज कर दिया है। उधर 2024 चुनाव के नजदीक आते देखकर यूपी के छोटे दलों ने अपनी महत्वाकांक्षा बढ़ाना शुरू कर दिया है। ओपी राजभर, संजय निषाद जैसे नेता अब समय-समय पर भाजपा तो कभी सपा की तरफ नरम रूख करके अपनी जमीन तलाशने में लग जाते हैं। पर आगे क्या होगा कुछ नहीं कह सकते क्योंकि राजनीति में कोई भी स्थाई दुश्मन नहीं होता है। पर इस तरह के घटना क्रम के बाद ऐसा कहा जा सकता है 24 के चुनाव आते-आते कई रंग देखने को मिलेंगे।

उत्तर प्रदेश में विपक्षी एकता की तमाम कोशिशों के बाद भी विपक्ष एक पाले में आने को तैयार नहीं दिख रहा है। ओम प्रकाश राजभर ने यूपी चुनाव 2022 के बाद समाजवादी पार्टी का साथ छोड़ा। उसके पहले से ही वे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमलावर रहे हैं। पिछले दिनों महाराष्ट्र में हुई राजनीतिक सरगर्मी के बीच ओपी राजभर ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी के कई विधायक उनके संपर्क में हैं। इस पर शिवपाल यादव ने पिछले दिनों करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ओम प्रकाश राजभर की दुकान चुनावों के समय में सज जाती है। उनके बारे में क्या कहा जाए? शिवपाल यादव के इस बयान पर अब ओपी राजभर के बेटे अरुण राजभर का बयान सामने आया है। अरुण ने शिवपाल यादव के समाजवादी पार्टी से बाहर जाने, अपनी पार्टी बनाने से लेकर वापस आने के बाद उचित सम्मान तक नहीं मिल पाने का मामला उठा दिया। अब इस पर राजनीति गरमा गई है।

सियासत में है सुभासपा का वजूद: अरुण

सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के बेटे और पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर ने ट्वीट में तंज कसते हुए कहा कि चाचा शिवपाल यादव बहुत ताकवर थे। उन्होंने कहा चाचा अब बहुत हल्के हो चुके हैं। अरुण ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर का खुद का अपना वजूद है। अपनी हैसियत है। अपनी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) नाम की दुकान खोलकर बैठे थे। चल नहीं पाई तो बंद कर दिए, खुद वजूद अपना मिटाकर जहां से जलील हुए वहीं चले गए। अरुण ने कहा कि अपनी पार्टी बनाई, अपनी ताकत को परखा। फिर जिस भतीजे ने जलील किया था। अपमानित किया था। धक्का मारकर भगाया था। अपनी ताकत खत्म होती देख फिर से सपा के साथ चले गए। और तो और जिस उम्मीद और लालच में गए थे, भतीजे ने चाचा की ताकत बता दी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव की सपा में स्थिति पर तंज कसते हुए अरुण राजभर ने कहा कि भंग प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के पदाधिकारियों को सम्मान नहीं मिला। सपा उनको भाजपा की बी-टीम तक कहती रही है। अपने लोगों को उचित सम्मान दिला पाने में नाकाम रहने वाले नेता अब सुभासपा सुप्रीमो को हल्का बता रहे हैं। अरुण राजभर ने समाजवादी पार्टी का वह ज्ञापन भी जारी किया, जिसमें कहा गया था कि शिवपाल यादव जी, अगर आपको लगता है कि कहीं ज्यादा सम्मान मिलेगा तो वहां जाने के लिए आप स्वतंत्र हैं। दरअसल, यह ज्ञापन 22 जुलाई 2022 को जारी किया गया था। राष्ट्रपति चुनाव में सपा के समर्थन वाले उम्मीदवार की जगह शिवपाल ने भाजपा समर्थक उम्मीदवार और वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना समर्थन दे दिया था। इस पर तीखी टिप्पणी करते हुए अरुण ने कहा कि शिवपाल यादव सम्मान दूसरे जगह दिलाने के लिए चिट्ठी लिखते थे, जिस सम्मान को लेने गये आज तक वह सम्मान नहीं मिल पाया, न मिलेगा। उन्होंने कहा कि सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद ही अखिलेश और शिवपाल का टकराव खत्म हुआ।

चुनाव आते ही कुछ लोग खोल लेते हैं दुकान: शिवपाल

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने मीडिया से बात करते हुए ओम प्रकाश राजभर पर निशाना साधा। एक सवाल आया कि सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर दावा कर रहे हैं, सपा के बहुत से विधायक उनके संपर्क में हैं। जवाब में शिवपाल यादव ने कहा कि हम उन्हें अच्छी तरह जानते हैं। वह हमेशा से भारतीय जनता पार्टी के संपर्क में रहे हैं। वह कभी भाजपा से अलग थे ही नहीं। हमेशा बोलते ही रहते हैं। जब चुनाव आते हैं तो उनकी दुकान फिर से चलनी शुरू हो जाती है। शिवपाल यादव ने दावा किया कि मैं ओपी राजभर के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र जहूराबाद का सिर्फ एक बार दौरा करूंगा और उन्हें अगला चुनाव लड़ने के लिए नया विधानसभा क्षेत्र ढूंढना पड़ेगा। वे काफी हल्के हो चुके हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सबकी सहमति से बने कानून

> भारत विविध धर्मों व विचारधारा वाला देश है ऐसे कोई कानून ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे। अध्यादेश के खिलाफ विपक्षी दलों से समर्थन जुटाने में लगी आम आदमी पार्टी ने अचानक कांग्रेस और बाकी विपक्षी दलों के रुख की परवाह न करते हुए समान आचार संहिता का 'सिद्धांत रूप में' समर्थन कर दिया।

इस समय पूरे देश में समान आचार संहिता लागू करने का मसला एक बार फिर चर्चा में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले दिनों यह मुद्दा उठाने के बाद से इस पर विपक्ष और सत्ता पक्ष, दोनों खेमों में उथलपुथल दिख रही है। जहां भाजपा की विरोधी आप सैद्धांतिक समर्थन में है तो बीजेपी की सहयोगी अन्ना द्रमुक उसके विरोध में आ गई है। कुल मिलाकर सत्ता पक्ष व विपक्ष में उसको लेकर उथल पुथल मची हुई है। खैर कुल मिलाकर इस कानून को लागू करने से पहल देश के सभी लोगों की आम सहमति जरूरी है। भारत विविध धर्मों व विचारधारा वाला देश है ऐसे कोई कानून ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे। अध्यादेश के खिलाफ विपक्षी दलों से समर्थन जुटाने में लगी आम आदमी पार्टी ने अचानक कांग्रेस और बाकी विपक्षी दलों के रुख की परवाह न करते हुए समान आचार संहिता का 'सिद्धांत रूप में' समर्थन कर दिया। अकाली दल ने देर किए बगैर इसे बीजेपी से उसकी मिलीभगत का उदाहरण करार दिया। शिवसेना (उद्धव गुट) ने भी समान आचार संहिता का समर्थन करने की बात कह दी।

इसी बीच, मेघालय के मुख्यमंत्री और बीजेपी की सहयोगी पार्टी एनपीपी के नेता कोनराड संगमा ने इसका विरोध करने की घोषणा की। हालांकि इस तमाम उठा-पटक को शुरुआती प्रतिक्रिया के ही रूप में लिया जा सकता है। समाज ही नहीं राजनीतिक दलों का भी एक बड़ा हिस्सा अभी पूरे मामले को देख-सुन-परख रहा है। यह मामला है भी बहुत जटिल। बीजेपी तो शुरू से यह मांग उठाती रही है, लेकिन समाज और राजनीति के अन्य हिस्सों के विरोध का यह आलम रहा है कि जब अटल बिहारी वाजपेयी की अगुआई में पहली एनडीए सरकार बनी तो उससे पहले बीजेपी को अपने तीन मूल मुद्दे स्थगित रखने की घोषणा करनी पड़ी। इनमें समान आचार संहिता को लागू करना भी शामिल था। मगर 2014 में बीजेपी के पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनने के बाद से स्थिति बदल चुकी है। खासकर 2019 में सीटों की संख्या और बढ़ा चुकी बीजेपी अब अन्य दलों का ऐसा कोई आग्रह मानने को मजबूर नहीं है। इसीलिए राजनीतिक हलकों में उम्मीदें और आशंकाएं दोनों बढ़ी हुई हैं। हालांकि सैद्धांतिक तौर पर देखा जाए तो पूरे देश के सिविल कानूनों में एकरूपता लाने का विचार गलत नहीं है। संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में इसका शामिल होना भी बताता है कि संविधान निर्माताओं की भावना इसके पक्ष में थी। सुप्रीम कोर्ट के एकाधिक फैसले इस बारे में आ चुके हैं, जो कहते हैं कि सरकार को इस दिशा में सही ढंग से कदम बढ़ाना चाहिए। लॉ कमिशन ने भी इस बारे में लोगों से राय मांगने की प्रक्रिया शुरू की है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दलीय हित पर समझौते को प्राथमिकता ही कारगर रणनीति

केएस तोमर

राष्ट्र की राजनीति को प्रभावित करने और कई बार क्रांतिकारी बदलावों की शुरुआत बिहार से हुई। साल 1974 में जयप्रकाश नारायण ने इंदिरा गांधी के विरुद्ध सम्पूर्ण क्रांति का बिगुल बजाया। उसके बाद 1990 में तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव द्वारा लालकृष्ण अडवाणी की रथयात्रा को भी बिहार के समस्तीपुर में रोका गया। ये दोनों भारत के राजनीतिक इतिहास को प्रभावित करने वाली प्रमुख घटनाएं हैं। लगता है कि अब इतिहास एक बार फिर स्वयं को दोहराने जा रहा है जब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी राजनीतिक ध्रुवों के 15 प्रमुख राजनेताओं को एक मंच पर लाकर 'मोदी हटाओ' के अभियान को धार प्रदान कर दी है।

यद्यपि सीएम नीतीश कुमार की इस पहल को अमलीजामा पहनाने की राह में अनेक अड़चनें हैं जिनमें आपसी वैचारिक मतभेद, क्षेत्रीय नेताओं का अहम और कई मामलों में निजी कटुता विशेषकर कांग्रेस के प्रति दुर्भाव शामिल है। वहीं विपक्ष के पास ऐसे कद्दावर नेता का अभाव है जो नरेंद्र मोदी को टक्कर दे सके। यही कारण है कि भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने नीतीश कुमार के इस प्रयास को 'मृगतृष्णा' की संज्ञा दी है। वहीं दावा किया कि इससे पूर्व विपक्षी एकता के प्रयासों की भांति यह प्रयास भी असफल होगा। इसका पहला उदाहरण आम आदमी पार्टी का मामला है। यदि कांग्रेस दिल्ली में केंद्र सरकार द्वारा लाये अध्यादेश के खिलाफ आम आदमी पार्टी का समर्थन नहीं करती है तो वह इस एकता का हिस्सा नहीं बनेगी जिसका लाभ भाजपा को साल 2024 के लोकसभा चुनाव में आप शासित दिल्ली और पंजाब में मिलेगा। हाल ही में कर्नाटक के विधानसभा चुनावों में मिली जीत से कांग्रेस का मनोबल ऊंचा है मगर उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि अभी लंबी लड़ाई है। लोकसभा चुनावों से पहले इस वर्ष के अंत में राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभाओं के चुनाव हैं जहां कांग्रेस के समक्ष दो राज्यों अपनी सरकारें बचाना और एक में जीतना बड़ी चुनौती है। इन राज्यों में चुनावी विजय के लिए भाजपा कोई भी कसर नहीं छोड़ेगी।

यदि 2024 के लोकसभा चुनावों की बात की जाए तो जानकार एकमत हैं कि लगभग 150 सीटों पर कांग्रेस व भाजपा में सीधा मुकाबला है। ये संसदीय क्षेत्र राजस्थान, हिमाचल, कर्नाटक, गुजरात, मध्यप्रदेश, झारखंड, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ में हैं। वहीं

महाराष्ट्र में कांग्रेस शिवसेना के नेतृत्व वाले महा विकास अघाड़ी का हिस्सा है जिसमें एनसीपी भी शामिल है। रणनीति के अनुसार विपक्ष का प्रयास है कि हर सीट पर भाजपा के मुकाबले केवल एक ही प्रत्याशी खड़ा किया जाए। लेकिन विपक्षी दलों को इसमें काफी कठिनाई आयेगी क्योंकि कई दलों को ऐसी कई सीटों पर समझौता करना होगा जहां वे स्वयं को मजबूत मानते हैं। इसी प्रकार कांग्रेस को भी उन राज्यों में अन्य दलों के साथ सीटें साझा करनी होंगी जहां उनका प्रभाव है। प्रश्न उठता है कि क्या कांग्रेस दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी के लिए व पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के लिए सीटें छोड़ेगी। लेकिन कांग्रेस के लिए तमिलनाडु, बिहार और महाराष्ट्र में अधिक सीटें मिलने की संभावना है जहां लोकसभा की 128 सीटें आती हैं। कांग्रेस का यहां क्षेत्रीय दलों से गठबंधन है। यद्यपि दिल्ली अध्यादेश के कारण कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में कुछ खटास है लेकिन राहुल गांधी ने यह कहकर आपसी एकता के प्रयासों को बल दिया है कि भाजपा और संघ की विचारधारा का मुकाबला एकजुटता से ही हो सकता है, सभी दलों को राजनीतिक व निजी विरोधों को अलग रखना होगा। लेकिन इसके बावजूद अरविंद केजरीवाल कांग्रेस के खिलाफ मुखर थे। हालांकि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती आदि ने एकता का समर्थन कर केजरीवाल द्वारा की गयी टिप्पणियों को नजरअंदाज कर दिया। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, शिव सेना नेता उद्धव ठाकरे व एनसीपी नेता शरद पावर के विचार भी एकता को प्राथमिकता देने वाले थे।

विश्लेषकों का मानना है कि 15 विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं ने एक मंच पर आकर सैद्धांतिक तौर पर सहमति दी कि 2024 के लोकसभा चुनाव एकजुट होकर लड़े जाने चाहिए ताकि भाजपा को हटाया जा सके। लेकिन इसे अमलीजामा पहनाने के लिए मशक्कत करनी होगी। 'मोदी हटाओ' अभियान को सफलता तभी मिलेगी जब क्षेत्रीय क्षत्रप और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाली कांग्रेस पार्टी लचीला रुख अपनाए। यदि सभी दल कुछ नुकसान उठाने को तैयार नहीं होते तो एकता नहीं हो पाएगी और लाभ भाजपा को मिलेगा।

खाद्य संकट के बीच उम्मीद बनता भारत

जयंतीलाल भंडारी

वैश्विक खाद्यान्न संकट पर प्रकाशित हो रही विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए भारत की नई अहमियत रेखांकित हो रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध के लगातार बढ़ने के कारण जो वैश्विक खाद्य संकट पिछले कई महीनों से बढ़ता जा रहा है, वह अब मई, 2023 में चीन में भारी वर्षा और बाढ़ के कारण चौपट हुई गेहूं की फसल के कारण और चुनौतीपूर्ण बन गया है। स्थिति यह है कि चीन में गेहूं की पैदावार में भारी कमी आने से चीन इस वर्ष बड़ी मात्रा में गेहूं आयात करते हुए भी दिखाई दे सकता है। ऐसे में दुनिया के अनेक देश खाद्य संकट से निपटने और अपनी खाद्य सुरक्षा के मद्देनजर भारत की ओर निगाहें लगाए हुए हैं। हाल ही में हैदराबाद में आयोजित जी-20 कृषि मंत्रियों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस समय जब दुनिया के सामने खाद्य सुरक्षा की चिंताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं तब भारत बैक टू बेसिक्स एंड मार्च टू फ्यूचर की नीति के साथ देश की खाद्य सुरक्षा मजबूत बनाते हुए दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मदद कर रहा है।

इस सम्मेलन में सरकार का कहना था कि देश में कृषि-विविधता को बढ़ावा, कृषि क्षेत्र में प्रभावी नीतियों, डिजिटल कृषि आदि से किसानों को लाभ मिल रहा है, उससे खाद्यान्न उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है और देश में खाद्य सुरक्षा मजबूत होती जा रही है। उम्मीद की जा रही है कि इस परिप्रेक्ष्य में पिछले दिनों केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत सहकारी क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण क्षमता बनाने की योजना भारत ही नहीं, दुनिया की खाद्य सुरक्षा में भी मील का पत्थर साबित होगी। यह कोई छोटी बात नहीं है कि विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष सहित दुनिया के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा के वैश्विक संगठनों द्वारा भारत की खाद्य सुरक्षा की सराहना की जा रही है। भारत में जहां कोरोना काल में 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को मुफ्त अनाज दिया गया, वहीं इस वर्ष जनवरी, 2023 से वर्षभर गरीबों की खाद्य सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तीकरण सुनिश्चित करने के लिए मुफ्त अनाज वितरित किया जा रहा है। वर्ष 2023 में वर्षभर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आने वाली देश की दो-तिहाई आबादी को राशन प्रणाली के तहत मुफ्त में अनाज देने की यह पहल दुनिया भर में रेखांकित की जा रही है।

निःसंदेह एक ऐसे समय में जब दुनिया के कई देशों में खाद्यान्न की कमी बनी हुई है, भारत वैश्विक खाद्य सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था इंटरनेशनल फंड ऑफ एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट के मुताबिक पिछले साल 2022 में भारत ने गेहूं की भारी कमी झेल रहे दुनिया के 18 देशों को गेहूं भेजा है। आज दुनिया में जहां चीन गेहूं का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, वहीं भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है, रूस तीसरे नंबर पर है। भारत दुनिया का 9वां सबसे बड़ा खाद्यान्न निर्यातक देश भी है। देश में लगातार बढ़ता हुआ रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन भारत की खाद्य सुरक्षा को मजबूती प्रदान कर रहा है, साथ ही इसी आधार पर भारत से दुनिया की अपेक्षाएं भी लगातार बढ़ रही हैं।

चालू कृषि वर्ष 2022-23 में 3305.34 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है, जो देश में अब तक रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन होगा। कृषि वर्ष 2022-23 में चावल का कुल उत्पादन (रिकॉर्ड) 1355.42 लाख टन होने का अनुमान है। देश में गेहूं का उत्पादन (रिकॉर्ड) 1127.43 लाख टन अनुमानित है। न्यूट्री/मोटे अनाज का उत्पादन 547.48 लाख टन अनुमानित है। 2022-23 के दौरान कुल दलहन उत्पादन 275.04 लाख टन अनुमानित है। साथ ही इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (इंटरनेशनल मिलेट्स ईयर) 2023 जिस तरह उत्साहवर्द्धक रूप से आगे बढ़ रहा है तथा उत्पादन बढ़ाने के विशेष प्रयास हो रहे है, अधिक धन आवंटन तथा विशेष कार्य योजनाएं लागू की गई हैं, उनसे भी मोटा अनाज का उत्पादन बढ़ेगा। इन सबके कारण अधिक खाद्य सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा। ऐसे में जब देश में खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड बना रहा है, तब खाद्यान्न भंडारण की अधिक क्षमता भी जरूरी है। यदि हम देश की आजादी के बाद से अब तक देश की खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था और इसकी चुनौतियों का अध्ययन करें तो ऐसी कई रिपोर्टें दिखाई देती हैं, जो भंडारण की पर्याप्त सुविधा न होने कारण भारत में पिछले कई दशकों से खाद्यान्न की भारी बर्बादी के विवरण पेश करती हैं। भारत में किसान कड़ी मेहनत कर खाद्यान्न उगाते हैं लेकिन 12 से 14 फीसदी तक अन्न बर्बाद हो जाता है।

अधिकांशतः किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता है। इसकी वजह यह है कि अनाज के भंडारण की सही व्यवस्था नहीं होने की वजह से खेती करने के बाद कृषि उपज हासिल करने के तुरंत बाद किसानों को उसे बेच देना पड़ता है। वास्तव में देश में खाद्यान्न भंडारण की समस्या जहां एक ओर फसलों की कटाई के दौरान निर्मित होती है, वहीं फसलों की कटाई के बाद कमजोर संग्रहण और कमजोर यातायात व्यवस्था के कारण भी यह उभरकर दिखाई देती है। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में 31 मई को सरकार द्वारा स्वीकृत नई खाद्यान्न भंडारण क्षमता योजना महत्वपूर्ण दिखाई दे रही है। यह योजना लगभग एक लाख करोड़ रुपये के खर्च के साथ शुरू होगी। इस समय देश का खाद्यान्न उत्पादन लगभग 3,100 लाख टन है, जबकि भंडारण क्षमता कुल उत्पादन का केवल 47 प्रतिशत ही है।

इस बात का रखें ध्यान

अगर आप दही को किसी चीज में मिलाकर अपनी स्किन पर इस्तेमाल कर रहे हैं तो पहले इसका पैच टेस्ट जरूर करें। ताकि इससे आपको किसी तरह की परेशानी ना होने पाए।

टैनिंग

अगर आप धूप से होने वाली टैनिंग से जूझ रहे हैं तो दही के साथ टमाटर मिलाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस दो चम्मच दही लेना है और इसमें दो चम्मच पिसा हुआ टमाटर मिलाना है। चाहें तो इसमें चुटकी भर हल्दी मिलाकर अपने चेहरे पर 15 मिनट के लिए लगाएं। 15 मिनट बाद इसे सादे पानी से धो लें।

दही के इस्तेमाल से दूर होंगी चेहरे की परेशानियां

कील-मुंहासे

इस परेशानी से हर दूसरा व्यक्ति परेशान रहता है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस दही में खीरा पीसकर डालना है। इस पेस्ट को मुंहासों पर फेस मास्क की तरह लगाएं। इससे चेहरे के इंफेक्शन में भी राहत मिलेगी।

गर्मी का मौसम चल रहा है। ऐसे में उमस और चिलचिलाती धूप से हर कोई परेशान है। तेज गर्मी की वजह से लोगों के चेहरे पर कील-मुहांसे, टैनिंग, सनबर्न और कई तरह की परेशानियां सामने आने लगीं हैं, जिससे सही समय पर बचाव करना बेहद जरूरी है। आज हम आपको एक ऐसी चीज के बारे में बताएंगे, जिसके इस्तेमाल से आपका चेहरा ग्लो करने लगेगा। हम बात कर रहे हैं दही की, जिसको चेहरे पर लगाने से आपके चेहरे की कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। वैसे भी गर्मी के मौसम में दही खाना काफी फायदेमंद बताया जाता है, क्योंकि दही में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जिसकी वजह से शरीर में ठंडक पहुंचती है। अगर आप इसे अपने स्किन केयर रुटीन में शामिल करेंगे तो आपको चेहरा गर्मी के मौसम में ग्लो करेगा। इसके साथ ही आपको सनबर्न, टैनिंग और कई तरह की परेशानियों से भी छुटकारा मिलेगा।

स्क्रब

अगर आपको लगता है कि आपके चेहरे की स्किन काफी ज्यादा रफ हो गई है तो आप दही में ओट्स मिलाकर इससे स्क्रब कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस ओट्स में दही मिलाकर इसे पीसना है और इस पेस्ट को चेहरे पर लगाना है।

मॉइश्चराइज

क्या आप जानते हैं कि दही के इस्तेमाल से आप अपने चेहरे को मॉइश्चराइज कर सकते हैं। इसके लिए आपको एक कटोरी में दो चम्मच बेसन, एक चौथाई हल्दी पाउडर और 4 चम्मच दही मिलाकर चेहरे पर लगाना है। इससे आपके चेहरे की खोई हुई नमी वापस लौट आएगी।

हंसना मना है

पठान- मैंने आपकी दूकान से मुर्गी दाना खरीदा था। दूकानदार- तो क्या हुआ, कुछ खराबी है क्या? पठान- हां, एक महीना हो गया उसे खेत में बोये हुए, अभी तक मुर्गी नहीं उगी।

सिपाही- घटना स्थल से थानेदार को फोन लगाकर बोला, जनाब यहां एक औरत ने अपने पति को गोली मार दी! थानेदार - क्यों? सिपाही- क्योंकि उसका पति पोछा लगे हुए गीले फर्श पर चलने लगा था! थानेदार- तुमने गिरफ्तार कर लिया उसको! सिपाही - नहीं साहब, पोछा अभी सूखा नहीं है!

एक मुर्गी के बच्चे ने अपनी मां से पूछा? मां इंसान पैदा होते ही अपना नाम रख लेते है, हमलोग अपना नाम क्यों नहीं रखते, मां ने कहां-बेटा, अपनी बिरादरी में नाम मरने के बाद रखा जाता है! चिकन टिक्का, चिकन चिली, चिकन तंदूरी, चिकन मलाई, चिकन कढ़ाई..

लड़का- तुम लड़कियां विदाई के टाइम इतना रोती क्यों हो? लड़की - जब तू जाएगा ना, बिना तनख्वाह के दूसरे के घर का काम करने तो तू भी रोयेगा।

कहानी | कंजूस मित्र

श्याम सुंदर नाम का एक नवयुवक रायपुर शहर में रहता था। उसके गांव के मित्र जब काम के सिलसिले में शहर आते तो उसके घर जरूर आते। एक बार मनोहर लाल नाम का एक मित्र उसके घर आया। मित्र को देखकर श्याम भौहें सिकोड़ने लगा। यह देखकर उसकी पत्नी ने कारण पूछा। उसने अपनी पत्नी को कहा कि यह बहुत ही कंजूस है, जब भी आता मुझसे खूब खर्चे करवाता है। किन्तु अपने जेब से एक फूटी कौड़ी कभी नहीं निकालता। यह सुनकर उसकी पत्नी ने कहा कि आप फिक्र न करें ,मैं आपको एक उपाय बताती हूं। अब श्याम सुंदर मित्र को लेकर शहर भ्रमण के लिए निकल गया। इस बार मित्र को सबक सिखाने का सोचा। वह अपने कंजूस मित्र को बाजार ले गया और कहा आपको जो भी खाने की इच्छा है बता सकते हैं , मैं आपके लिए ले दूंगा। वो एक होटल में गए श्याम ने होटल मालिक से पूछा - भोजन कैसा है? होटल के मालिक ने जवाब दिया मिठाई की तरह स्वादिष्ट है महाशय। मित्र ने कहा तो चलो मिठाई ही लेते हैं। दोनों मिठाई की दुकान पर गए, मित्र ने पूछा - मिठाइयां कैसी है? मिठाई बेचने वाले ने जवाब दिया- मधु (शहद) की तरह मीठी है। श्याम ने कहा तो चलो मधु ही ले लेते हैं। श्याम कंजूस मित्र को शहद बेचने वाले के पास ले गया। उसने शहद बेचने वाले से पूछा- शहद कैसा है? शहद बेचने वाले ने जवाब दिया- जल की तरह शुद्ध है। तब श्याम ने मनोहर से कहा- मैं तुम्हें सबसे शुद्ध भोजन दूंगा। उसने मित्र को भोजन के स्थान पर पानी से भरे हुए अनेक घड़े प्रदान किए। मित्र को अपनी गलती का अहसास हो गया, वह समझ गया कि यह सब उसे सबक सिखाने के लिए किया जा रहा है। उसने श्याम से माफी मांगी , श्याम ने भी उसे अपनी बाहों में भर लिया। दोनों हंसी- खुशी वापस घर आए। श्याम की पत्नी ने मनोहर के लिए स्वादिष्ट भोजन तैयार किया । भोजन उपरांत वह वापस गांव लौट आया। इसके बाद उसने अपनी कंजूसी की आदत हमेशा के लिए छोड़ दी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है। आपका व्यक्तित्व खुशबू की तरह चारों तरफ महकेगा। आपको कोई बड़ी प्रसिद्धि मिलने के योग बने हुये है।

तुला महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है। आज आपको किसी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से निजात मिलेगी। छात्रों को नये प्रोजेक्ट बनाने को मिलेगा।

वृषभ आज ज्यादा खर्च का दिन है। परिवार का वातावरण भी ज्यादा अच्छा नहीं होगा। किसी विशिष्ट व्यक्ति की राय लाभकारी होगी। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी।

वृश्चिक आज आप खुद का व्यवसाय प्रारंभ कर सकते हैं। धन का लाभ होगा। सामाजिक दायित्व का निर्वाह करना पड सकता है। मित्रों व अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन आज आप में से कुछ के लिए इधर-उधर की भागदौड़ रहेगी। देरी और बाधाएं भी कई बार चिंता का कारण बनेंगी। दोस्त सहयोग करेंगे और पारिवारिक जीवन उत्साहपूर्ण रहेगा।

धनु अपने स्वास्थ्य के प्रति बेहद सतर्क रहें, विशेष कर कमर के निचले हिस्से के प्रति। रक्त सम्बन्धी समस्याएं अत्यधिक परेशान कर सकती हैं।

कर्क आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। दिन की शुरुआत में थोड़ी सुस्ती रहेगी। आपको किसी भी तरह की जिद्द करने से आज बचना चाहिए, वरना परेशानी हो सकती है।

मकर आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आप अपने आपको चुस्त-दुरुस्त महसूस करेंगे। मन में नई चीज़ों को जानने की उत्सुकता बनेगी।

सिंह आज धार्मिक कार्य एवं यात्रा के लिए समय बिलकुल अनुकूल है। प्रभावशाली लोगों से संपर्क करना आपके लिए अच्छे परिणाम लाएगा। सामाजिक कार्य में मन लगेगा।

कुम्भ कुंभ राशि वालों को माता का सानिध्य प्राप्त होगा। वस्त्रों आदि पर खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आज आप दूसरों के साथ मिलकर कार्य करेंगे।

कन्या आज आपको कुछ उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ेगा। आप बहुत कुछ हासिल करना चाहेंगे, लेकिन अगर आपने जल्दबाजी में निर्णय लिए तो आपको नुकसान होगा।

मीन आर्थिक मामलों में सुधार और कुछ व्यापारिक यात्राओं के योग बन रहे हैं। कामों सफलता मिलेगी। जीवनसाथी तथा परिवार के साथ आनंददायी समय बीतेगा।

विजय वर्मा के साथ इंटीमेट सीन देने पर ट्रोल हुईं तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया इन दिनों वेब सीरीज लस्ट स्टोरीज-2 को लेकर काफी अटेंशन पा रही हैं। 29 जून को ओटीटी पर यह वेब सीरीज रिलीज की गई, जिसमें तमन्ना के विजय वर्मा के साथ कई इंटीमेट सीन हैं।

इस शो के लिए ही एक्ट्रेस ने अपना नो किसिंग रूल तक ब्रेक किया, जिसे उन्होंने करीब 14 वर्षों तक फॉलो किया था। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने बताया कि वजय वर्मा के साथ रोमांटिक सीन्स देने पर उन्हें क्या-क्या ताने सुनने को मिले थे।

लस्ट स्टोरीज 2 को 29 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया। शो में तमन्ना के विजय के साथ ढेर सारे इंटीमेट सीन हैं। 14 साल बाद नो किसिंग रूल को ब्रेक करने पर तमन्ना ने कहा था कि वह एक एक्टर के तौर पर ग्रो करना चाहती थीं। उन्हें खुद को लिमिट में बांध कर नहीं रखना था। अब एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने इस बात का खुलासा किया कि इंटीमेट सीन देने पर उन्हें लेकर सोशल मीडिया पर क्या-क्या कहा गया।

मोजो स्टोरी के लिए बरखा दत्त को दिए गए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने उन्हें मिलने वाले क्रिटिसिज्म के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें यह सब थोड़ा अजीब लगा, जब उन्होंने देखा कि लोगों ने उन्हें इंटीमेट सीन परफॉर्म करने पर जज किया है। जबकि, अगर कोई मेल एक्टर ऐसा करे, तो उसकी परफॉर्मेंस को सराहा जाता है। इसके अलावा तमन्ना ने जेंडर डिस्क्रिमिनेशन पर भी बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि एक लड़की को जज करने में लोग जरा भी वक्त नहीं लगाते। 2023 में भी लोगों का माइंडसेट ऐसा है। उन्होंने बताया कि सबसे बेकार कमेंट उनके लिए कौन सा किया गया था। एक्ट्रेस के मुताबिक उन्हें कहा गया था, क्या मजबूरी थी कि ये ऐसे सीन्स कर रही है। यह कमेंट तमन्ना बिल्कुल पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा कि अगर एक आर्टिस्ट के तौर पर मैं सीरियल किलर का रोल प्ले करूंगी, तो क्या मैं सीरियल किलर हो गई?

लस्ट स्टोरीज 2 से तमन्ना काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। इस प्रोजेक्ट के बाद उनके पास साउथ की दो बड़ी फिल्में-भोला शंकर और जेलर हैं। भोला शंकर मूवी में तमन्ना, चिरंजीवी और कीर्ति सुरेश के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। जबकि, जेलर में उन्हें रजनीकांत के साथ काम करते देखा जाएगा।

बॉलीवुड | मन की बात

इस इंडस्ट्री में ईमानदारी की कोई जगह नहीं : अमीषा पटेल

कहो ना प्यार के साथ अमीषा पटेल ने बॉलीवुड में ग्रैंड एंट्री की थी। एक्ट्रेस की डेब्यू फिल्म ने तहलका मचा दिया था। हालांकि, पर्सनल लाइफ की उलझनों का असर उनकी प्रोफेशनल लाइफ पर ऐसा पड़ा कि एक्ट्रेस का करियर अर्श से फर्श पर पहुंच गया। अमीषा पटेल के फिल्म डायरेक्टर विक्रम भट्ट संग रिलेशनशिप ने खूब सुर्खियां बटोरी थी। सुष्मिता सेन से ब्रेकअप के तुरंत बाद, विक्रम भट्ट ने कथित तौर पर अमीषा पटेल को डेट करना शुरू कर दिया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों की नजदीकियां अनकही के शूट के दौरान बढ़ी थी और फिल्म 1920 की रिलीज से पहले उनका ब्रेकअप हो गया। अमीषा पटेल ने अपने इस अफेयर को लेकर कहा कि विक्रम भट्ट और उनके साथ रिलेशनशिप पर खुलेआम बात करने से उनका करियर बर्बाद हो गया। इस वजह से उन्होंने दशकों तक मर्दों से दूरी भी बनाए रखी। अमीषा ने कहा, इस इंडस्ट्री में ईमानदारी की कोई जगह नहीं है और मैं उनमें से हूं, जो बहुत ईमानदार हैं। मैं उनमें से हूं, जो अपने दिल की बात कहते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि ये मेरी जिंदगी में मेरे लिए सबसे बड़ी कमी रही है। मेरे जिन दो रिश्तों के बारे में लोग जानते हैं, बस वही रिश्ते मेरी लाइफ में रहे हैं, इन्होंने मेरे करियर पर असर डाला है। 12-13 सालों तक ऐसा था कि मुझे कोई मर्द नहीं चाहिए था। सिर्फ शांति चाहिए थी। मुझे अपनी लाइफ से और कुछ नहीं चाहिए था। अमीषा पटेल ने अफेयर्स का असर अपने करियर पर पड़ने के बारे में बताते हुए कहा, जिस तरह एक लड़की का सिंगल होना उसके आसपास काम करने वालों को आकर्षक लगता है। ये उसी तरह दर्शकों को भी ज्यादा आकर्षक लगता है। उन्हें लगता है कि अगर आप सिंगल हैं या आप इंडस्ट्री में किसी को या किसी सुपरस्टार को डेट कर रहे हैं तो इससे केवल आपके करियर को फायदा होता है। नहीं तो वे इसे एक्सेप्ट नहीं करते हैं। अपनी बातों का उदाहरण देते हुए अमीषा ने आगे कहा, एक हीरोइन जो किसी हीरो को डेट कर रही है, वह अभी भी हीरो के साथ फिल्में कर सकती है और उसे काम मिलता रहेगा। मेरे केस में ऐसा नहीं था, इसलिए मेरे करियर पर इसका बुरा असर पड़ा, लेकिन आप इससे सीखते हैं।

टीकू वेड्स शेरू की सक्सेस से गदगद हुईं कंगना रनौत

अवनीत कौर की डेब्यू फिल्म टीकू वेड्स शेरू काफी पसंद की जा रही है। कंगना रनौत के प्रोडक्शन में बनी यह फिल्म थिएटर्स के बजाय ओटीटी पर रिलीज की गई। बावजूद इसके फिल्म को ठीकठाक संख्या में देखा जा रहा है। हाल ही में कंगना ने टीकू वेड्स शेरू की सक्सेस पार्टी रखी, जहां पूरी कास्ट के साथ उन्होंने खूब एंजॉय किया। अब एक्ट्रेस ने एक पोस्ट के जरिये इस फिल्म की तारीफ की, और इशारों ही इशारों में बिग बॉस को आड़े हाथों ले लिया।

कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ पोस्ट शेयर किए, जिसमें उन्होंने टीकू वेड्स शेरू के सक्सेस पर बात की। एक पोस्ट में उन्होंने कहा, टीकू वेड्स शेरू सभी प्लेटफॉर्म्स पर बेस्ट परफॉर्मिंग फिल्म है। इस बेशुमार प्यार के लिए सभी का शुक्रिया। इसके बाद उन्होंने एक और पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने दिखाया कि फिल्म टीकू वेड्स शेरू अमेजन प्राइम पर 3.8 मिलियन व्यूज मिले हैं, और यह फिल्म तीसरे नंबर पर ट्रेंड कर रही है।

इस पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने बातों ही बातों में बिग बॉस को लेकर तंज कसा। कंगना ने लिखा, हम एक करोड़ का आंकड़ा बहुत जल्द पार कर लेंगे। यह थिएटर में रिलीज हुई किसी भी फिल्म के 100 करोड़ कमाने के बराबर है। भले ही एक टीवी पर कई व्यूवर्स हों, जिन्हें एक ही घर में बैठ देखने वाले कई व्यूवर्स हों...यह एक अनुमानित तुलना है।

बता दें कि टीकू वेड्स शेरू को कंगना रनोट की प्रोडक्शन कंपनी मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। उन्होंने ही फिल्म को प्रोड्यूस किया है, जबकि इसका निर्देशन सई कबीर ने किया है।

मूवी में अवनीत कौर की जोड़ी नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ बनी हुई है, जो कि उनसे करीब 12 साल बड़े हैं। मूवी में इनका लिप लॉक सीन भी है।

इस खूबसूरत गांव से बाहर जाना चाहते हैं लोग, चौंकाने वाली है वजह

हमेशा लोग एक ऐसी जगह पर रहने का सपना देखते हैं, जहां शांति हो, प्राकृतिक खूबसूरती हो और अच्छे नज़ारे हों। एक ऐसा गांव है, जहां ये सब कुछ मौजूद है, फिर भी यहां कोई नहीं रहना चाहता है। इसे यूनाइटेड किंगडम की कुछ सबसे सुंदर लोकेशन में से एक बताया जा रहा है लेकिन यहां रहने वाले लोग जल्द से जल्द ये जगह छोड़ देना चाहते हैं। ऐसा नहीं है कि ये किसी ऐसी जगह पर है, जहां पहुंचना मुश्किल है बल्कि यहां तो सैकड़ों-हज़ारों सैलानी हर साल घूमने आते हैं। यहां कई फिल्मों की शूटिंग भी हो चुकी है। यहां खूबसूरत पुराने रास्ते हैं और दिलफरेब पगडंडियां हैं लेकिन ये सब कुछ होने के बावजूद इस गांव के लोग इसे छोड़कर जा रहे हैं। अब यहां स्थायी तौर पर रहने वाले लोगों की संख्या कम होती जा रही है।

कैस्टल कंबी गांव में रहने वाले लोग बताते हैं कि पिछले कुछ सालों में यहां स्थायी तौर पर रहने वाले लोगों की संख्या बहुत कम हो चुकी है। यहां पर एक वैज्ञानिक साल 2016 तक रहा करते थे, लेकिन वे भी लंदन चले गए। इसकी वजह है इस गांव का बेहद खूबसूरत होना क्योंकि इसे देखने वाले सैलानियों की भीड़-भाड़ इतनी बढ़ चुकी है कि यहां के लोगों की प्राइवेसी बिल्कुल खत्म हो गई है। सैलानी ड्रोन के जरिये पूरे गांव को कैप्चर करते रहते हैं। गर्मियों में यहां लोगों की संख्या किसी बीच जितनी बढ़ जाती है। लोग बताते हैं कि लॉकडाउन के वक्त ये बहुत अच्छा था लेकिन अब सिर्फ हर तरफ ड्रोन और लोग दिखाई देते हैं। सैलानी कहीं पर भी बैठ जाते हैं, भले ही वहां नहीं रहने के इंस्ट्रक्शन लिखे हों। आपके घर के बगीचे में भी ड्रोन की आवाज़ सुनाई देती रहती है। यहां आबादी 50 फीसदी रह गई है और जो घर बिकाऊ हैं, उन्हें भी लोग हॉलीडे होम्स की तरह खरीद रहे हैं। कोई भी रहने के लिए यहां नहीं आना चाहता। पुराने लोगों का कहना है कि पहले ये गांव किसी परिवार की तरह था, जहां सब लोग रहते थे, लेकिन अब ये टूरिस्ट विलेज बन चुका है।

अजब-गजब | इस सनकी ने राजधानी में कुत्तों को किया बैन!

यह तानाशाह हर किसी को पढ़ाता था अपनी जीवनी

मध्य एशिया में एक देश है जिसका नाम है तुर्कमेनिस्तान। कुछ सालों पहले यहां एक तानाशाह का राज था। सापामुरत नियाजोव नाम के शख्स ने करीब 2 दशक तक इस देश पर राज किया था। इस दौरान उसने इतने विचित्र नियम बनाए थे कि उसके बारे में सुनकर आज भी लोग दंग हो जाते हैं। नियाजोव की मौत साल 2006 में हुई थी और उस दौर तक उसके नियम का पालन देश के रहने वाले हर व्यक्ति को करना पड़ता था। कहने को वो देश का राष्ट्रपति था, पर पूरा उसका रवैया तानाशाही था।

1992 में जब उसे पहली बार राष्ट्रपति चुना गया था, तो नियाजोव ने खुद को देश के रहने वाले हर नागरिक का लीडर बना दिया था। उसने देश में अपनी सोने की मूर्ति भी बनवाई थी।

नियाजोव को कुत्ते बिल्कुल भी पसंद नहीं थे। यही कारण है कि उसने 2003 में देश की राजधानी अश्गाबात से कुत्तों को बैन कर दिया था। ऐसा उसने इसलिए किया था क्योंकि उसने एक फूल को अपना नाम दिया था और वो नहीं चाहता था कि कुत्तों की बदबू से फूलों की सुगंध बर्बाद हो। साल 2004 में नियाजोव ने नियम बनाया कि न्यूज रीडर्स, प्रोग्राम होस्ट लाइव टीवी पर मेकअप नहीं किया करेंगी। वो चाहता था कि महिलाएं नेचुरल लुक में ही नजर आएं। संक्रामक बीमारियों पर नहीं हो सकती थी चर्चा- नियाजोव ने देश के सारे मीडिया को ये फरमान जारी कर दिया था कि वो खबरों में संक्रामक बीमारियों के बारे में चर्चा नहीं कर सकते। एड्स, हैजा, सर्दी-जुकाम तक की न्यूज दिखाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

नियाजोव को अपने मंत्रियों और अन्य अधिकारियों के स्वास्थ्य की इतनी चिंता होने लगी कि उसने 37 किलोमीटर लंबी सीढ़ी बनवाई और साथ ही एक नियम बना दिया कि हर साल एक बार, राजधानी में रहने वाले सभी लोगों को उस सीढ़ी पर चढ़कर टॉप पर जाना जरूरी है। पर ये नियम उसके ऊपर नहीं लागू होता है।

तुर्कमेनिस्तान रेगिस्तानी इलाकों से बना हुआ है। फिर भी 2004 में तानाशाह ने फैसला किया कि देश में बर्फ का महल बनना चाहिए। उनकी ये हसरत उनके मरने के बाद पूरी हुई जब राजधानी में एक स्केटिंग के लिए बर्फ की जगह बनाई गई।

नियाजोव ने लोगों को सलाह दी थी कि दांतों को मजबूत बनाने के लिए लोगों को हड्डियां चबानी चाहिए। नियाजोव ने लोगों को सलाह दी थी कि दांतों को मजबूत बनाने के लिए लोगों को हड्डियां चबानी चाहिए।

नियाजोव ने तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात के बाहर जितने भी अस्पताल और पुस्तकालय थे, उन्हें बंद कर दिया। यानी कोई अगर बिमार पड़ता तो उन्हें सिर्फ राजधानी में ही इलाज के लिए आना पड़ता। साल 2001 में तानाशाह ने अपनी जीवनी लिखी जिसका नाम था रूहनामा। उसने ये तय किया कि देश के हर स्कूल-कॉलेज में उसकी जीवनी को पढ़ा जाए। सिर्फ पढ़ा ही नहीं, लोगों को कंठस्थ करवाने के लिए उन्हें हर शनिवार पढ़कर टेस्ट भी देना पड़ता था। इसके साथ ही देश की सारी मस्जिदों में कुरान के साथ जीवनी रखने का भी एलान कर दिया गया था।

यूसीसी पर भाजपा को एआईएडीएमके ने दिया झटका

» विरोध में बोली- अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों पर डालेगा प्रभाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में भाजपा के लिए समान नागरिक संहिता लागू करना आसान होने वाला नहीं है। विपक्ष तो विरोध कर ही रहा है लेकिन अब तमिलनाडु में भाजपा की प्रमुख सहयोगी अन्नाद्रमुक (एआईएडीएमके) ने भाजपा को झटका देते हुए कहा कि एआईएडीएमके ने भारत सरकार से समान नागरिक संहिता के लिए संविधान में कोई संशोधन नहीं लाने का आग्रह किया है।

एआईएडीएमके का मानना है कि यह कानून भारत के अल्पसंख्यकों के धार्मिक अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। नेशनल पीपुल्स पार्टी के बाद एआईएडीएमके दूसरी प्रमुख भाजपा सहयोगी पार्टी है जिसने यूसीसी का विरोध किया है। वहीं अब देखना होगा कि भाजपा अपने इन प्रमुख सहयोगियों को कैसे मना पाती है। इससे पहले नगालैंड में भाजपा की एक अन्य सहयोगी नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) ने समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन पर अपनी आपत्ति जताई थी। ज्ञात हो कि समान नागरिक संहिता सभी नागरिकों पर उनके धर्म, लिंग की परवाह किए बिना समान रूप से लागू होगा। यह संहिता संविधान के अनुच्छेद 44 के अंतर्गत आती है, जिसमें कहा गया है कि राज्य पूरे भारत में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा।

देश की एकता के लिए बड़ा खतरा

जमीयत उलेमा-ए-हिंद यूनिफार्म सिविल कोड को लेकर जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने अपनी राय तैयार की है। राय में कहा गया है कि यूनिफार्म सिविल कोड मजहब से टकराता है, ऐसे में लॉ कमीशन को चाहिए कि वो सभी धर्मों के जिम्मेदार लोगों से बुलाकर बात करे और समन्वय स्थापित करे। मौलाना अरशद मदनी की अध्यक्षता में जमीयत उलेमा ए हिंद आज अपनी राय भेजेगा, जिसके मुताबिक- कोई भी ऐसा कानून जो शरीयत के खिलाफ हो, मुसलमान उसे मंजूर नहीं करेंगे, मुसलमान सब कुछ बर्दाश्त कर सकता है, लेकिन अपनी शरीयत के खिलाफ़ नहीं जा सकता, यूनिफॉर्म सिविल कोड देश की एकता के लिए खतरा है।

उलेमा-ए-हिंद की राय लॉ कमीशन को भेजी जाएगीआज राय लॉ कमीशन को भेजी जाएगी। जमीयत उलेमा हिंद ने अपने तैयार की गई राय में कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड संविधान में मिली धर्म के पालन की आजादी के खिलाफ है, क्योंकि यह संविधान में नागरिकों को धारा 25 में दी गई धार्मिक आजादी और बुनियादी अधिकारों को छीनता है। जमीयत की तरफ से कहा गया कि हमारा पर्सनल लॉ कुरान और सुन्नत से बना है, उसमें कयामत तक कोई भी संशोधन नहीं हो सकता। हमें संविधान मजहबी आजादी का पूरा मौका देता है।

क्रिकेटर प्रवीण कुमार की कार दुर्घटनाग्रस्त, बाल-बाल बचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज रहे प्रवीण कुमार मेरठ में एक बड़े हादसे में बाल-बाल बच गए। उनकी कार की टक्कर तेज रफ्तार ट्रक से हो गई। यह हादसा मेरठ में जेल चुंगी के पास हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी कार में बेटा भी मौजूद था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हादसा मंगलवार देर रात को यूपी के मेरठ में हुआ। तब प्रवीण अपनी लैंड रोवर डिफेंडर कार से पांडव नगर इलाके से आ रहे थे। इसी दौरान कमिश्नर आवास के पास उनकी कार ट्रक से टकरा गई।

हादसे में प्रवीण कुमार की कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर और उनका बेटा दोनों दुर्घटना में सुरक्षित हैं। इसके बाद मौके पर सिविल लाइन पुलिस तुरंत पहुंची और ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी चालक अमरोहा का रहने वाला पवन बताया गया है। उसने बताया कि वह सामान्य गति से ट्रक को चला रहा था, तभी पीछे से आई कार ने कम जगह में ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी कारण कार ट्रक से लग गई।

सोनभद्र में सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

सोनभद्र। सोनभद्र में सदर कोतवाली क्षेत्र के मोकरम गांव के समीप मंगलवार की देर रात ट्रेलर की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक बाइक खराब होने पर उसे पैदल लेकर घर जा रहे थे। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों की शिनाख्त हो गई है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए हैं। मंगलवार की रात बाइक सवार दो युवक मोकरम गांव की ओर जा रहे थे। इस दौरान उनकी बाइक खराब हो गई। इसके बाद वह बाइक को पैदल ढकेलते हुए जा रहे थे। इसी दौरान वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर अनियंत्रित ट्रेलर ने दोनों को कुचल दिया। मौके पर ही पैदल चल रहे दोनों युवकों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली और हिन्दुआरी चौकी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित मोर्चरी में रखवा दिया। घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन छोड?र मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर और क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर कोतवाली में खड़ा करा दिया है।

वर्षा से तरबतर हुए लोग, जलजमाव से खुली नगर निगम की पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सावन का स्वागत तो वैसे मंगलवार को मानसूनी झमाझम ने कर दिया था। पर बुधवार को भी राजधानी समेत पूरे प्रदेश में सुबह से ही बारिश होरही है। बीते दिनों दिन भर बादल डेरा डाले रहे, कहीं बरसे और कहीं रिमझिम फुहारों के बाद थम गए। मौसम विभाग ने बुधवार को राजधानी में अच्छी बरसात के आसार जताए हैं।

और तेज बारिश होने के आसार

यूपी की राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश में बारिश की रफ्तार बढ़ने वाली है। बारिश का सिलसिला रुक-रुक कर बीते कुछ दिनों से लगातार जारी है। सोमवार को दिन भर में बादल-आते जाते रहे। अचानक रात 11 बजे के बाद ठंडी हवाओं संग आए बादल जमकर बरसे और आधी रात तक बरसात होती रही। मंगलवार को भी यही क्रम जारी रहा।

राजधानी में इसी बारिश की वजह से एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया। लखनऊ के वजीरगंज क्षेत्र स्थित बलरामपुर अस्पताल के निकट क्रिश्चन कॉलेज गेट के पास अचानक सड़क धंस गई, जिससे बड़ा भारी का गड्ढा हो गया है। इसमें कार का आधे से ज्यादा हिस्सा उस भारी भरकम गड्ढे में समा गया। अब इसको लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने बीजेपी के गड्ढामुक्त सड़कों के दावों पर हमला बोल दिया है। घटना से इलाके से हड़कंप मच गया और इससे जुड़ी तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगे। यह राजधानी के सबसे व्यस्ततम इलाको में से एक है। इस क्षेत्र में बलरामपुर अस्पताल, लखनऊ कोर्ट, क्रिश्चियन कॉलेज, सिटी स्टेशन है और अमीनाबाद और कैसरबाग बस अड्डे को जोड़ने के नाते इस इलाके में पूरे दिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही लगी रहती है। यहां तक ही बस और ऐम्बुलेंस भी हर समय निकलती रहती है।

फोटो: सुमित कुमार

भारत के सिर सजा सैफ फुटबॉल का ताज

नौवीं बार अपने नाम किया खिताब, कुवैत को पेनल्टी शूटआउट में छकाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने डाइव लगाकर निर्णायक पेनल्टी बचाई और भारत ने कुवैत को शूटआउट में 5-4 से हराकर नौवीं बार सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप खिताब जीत लिया। दोनों टीमें 120 मिनट के खेल तक 1-1 से बराबरी पर थीं। पेनल्टी शूटआउट के पांच दौर के बाद भी स्कोर 4-4 था जिसके बाद सडन डैथ पर फैसला हुआ। महेश नोरम ने स्कोर किया और भारत के गोलकीपर गुरप्रीत संधू ने डाइव लगाकर खालिद हाजिया का शॉट बचाकर टीम को जीत दिलाई। निर्धारित समय के भीतर शाबाइब अल खालिदी ने 14वें मिनट में गोल करके कुवैत को बढत दिलाई थी जबकि भारत के लिये बराबरी का गोल लालियांजुआला छांगटेने 39वें मिनट में दागा।

गत चैम्पियन भारत और कुवैत ने आखिरी ग्रुप मैच भी 1-1 से ड्रॉ खेला था। भारत ने दूसरी बार पेनल्टी शूटआउट में जीत दर्ज की है। इससे पहले एक जुलाई को सेमीफाइनल में लेबनान को भी पेनल्टी शूटआउट में 4 . 2 से हराया था। उस मैच में भी संधू ने शूटआउट में जबर्दस्त प्रदर्शन किया था।

भारत के लिये कप्तान सुनील छेत्री, संदेश झिंगन, शुभाशीष बोस, छांगटे और महेश ने गोल दागे जबकि उदांता सिंह चूक गए। शूटआउट से पहले कुवैत का दबदबा था जिसने पहले हाफ में कई मौके बनाये। इसका फायदा 14वें मिनट में मिला जब मुबारक अल फानीनी ने बायें विंग से अब्दुल्ला अल ब्लूशी को पास दिया। अल ब्लूशी ने गेंद अल खालिदी को सौंपी जिसने गोल करके कुवैत को बढत दिलाई।

क्रिकेट सिलेक्शन कमिटी के चेयरमैन बने अजीत अगरकर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अजीत अगरकर को सिलेक्शन कमिटी का चेयरमैन बनाया है। उनको इस पद पर बिठाने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कहा जा रहा इसके लिए परंपरागत जोनल रूल को तोड़ा।

2007 टी-20 वर्ल्ड कप विनिंग टीम का हिस्सा रहे अगरकर सिलेक्शन कमिटी में शामिल सभी सदस्यों से इंटरनेशनल करियर के लिहाज से सीनियर हैं। रिपोर्ट की मानें तो वह इस पद को संभालने के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन उन्हें मनाया गया। इसके पीछे 2 बड़ी वजहें थीं। दरअसल, अगरकर नियमित रूप से कॉमेंटेटर और आईपीएल की दिल्ली कैपिटल्स टीम के कोच रहे। उन्हें सिलेक्शन कमिटी में आने पर सैलरी कम हो जाती, जबकि वह अन्य प्रोफेशनल कामों में भी फंसे हुए थे।

जौनपुर में टेंट व्यवसायी ने पत्नी व तीन बच्चों समेत लगाई फांसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। जौनपुर में मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के जयरामपुर गांव में बुधवार की सुबह एक टेंट व्यवसायी ने अपने तीन बच्चों व पत्नी को मारकर खुद फंदा लगाकर जान दे दी। इस घटना में पांचों की मौत से गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जयरामपुर गांव निवासी नागेश कठियांव मार्ग परकरता था। बुधवार की सुबह देर तक जब नागेश के परिवार का कोई नहीं जगा तो लोगों ने उसके भाई को फोन करके बताया। भाई ने जब दरवाजा खोलकर अंदर देखा तो नजारा देखकर अवाक रह गए। घर के एक कमरे में चारपाई पर दो बेटियों निकिता और आयुषी, पुत्र आदर्श के शव पड़े थे। थोड़ी दूरी पर पत्नी राधिका का भी शव पड़ा था। नागेश फंदे से लटक रहा था। परिवार के सदस्यों ने इस तरह का कदम क्यों उठाया गया यह अभी पता नहीं चल सका है।

» पांचों की मौत से गांव में हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

370 पर होगी सुप्रीम सुनवाई कश्मीर में जागीं सियासी उम्मीदें

» नेता बोले- लड़ाई लंबी है, देर आए पर दुरुस्त आए

» 11 जुलाई से सीजेआई चंद्रचूड़ याचिकाओं पर सुनेंगे बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। 11 जुलाई को तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 को निरस्त किये जाने के करीब चार साल बाद प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ 11 जुलाई से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई शुरू करेगी। इस पर राजनीतिक प्रक्रिया आना शुरू हो गई है।

उमर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के नेता उमर अब्दुल्ला ने उम्मीद जताई है कि उच्चतम न्यायालय जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे से संबंधित अनुच्छेद-370 को केंद्र द्वारा निरस्त किये जाने और तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के फैसले के खिलाफ दायर याचिकाओं पर तेजी से सुनवाई करेगा। उमर ने कहा, ''देर आयद, दुरुस्त आयद। हमने बेसब्री से इंतजार किया। मामले की सुनवाई 11 जुलाई से शुरू होगी और हम उम्मीद करते हैं, इस पर तेजी से कार्यवाही होगी, क्योंकि मामला उच्चतम न्यायालय देख रहा है और जल्द फैसला आएगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार से जम्मू-कश्मीर की 2019 से पहले की स्थिति बहाल करने की उम्मीद नहीं है। हम पहले दिन से कह रहे हैं कि जो हमसे पांच अगस्त 2019 को छीना गया, उसके वापस मिलने की कोई उम्मीद मौजूदा सरकार से नहीं है। उन्होंने कहा,हमारी लड़ाई लंबी है, लेकिन शांतिपूर्ण है। हम लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से वह हासिल करना चाहते हैं, जिसे हमसे छीना गया।

चुनाव कराने से डर रही बीजेपीअनुच्छेद 370 पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शाह फैसल की टिप्पणी पर उमर ने कहा कि उन्हें याचिका वापस लेने का अधिकार है। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के बारे में उमर ने कहा कि भाजपा चुनाव कराने को तैयार नहीं है, क्योंकि उसकी हार निश्चित है।

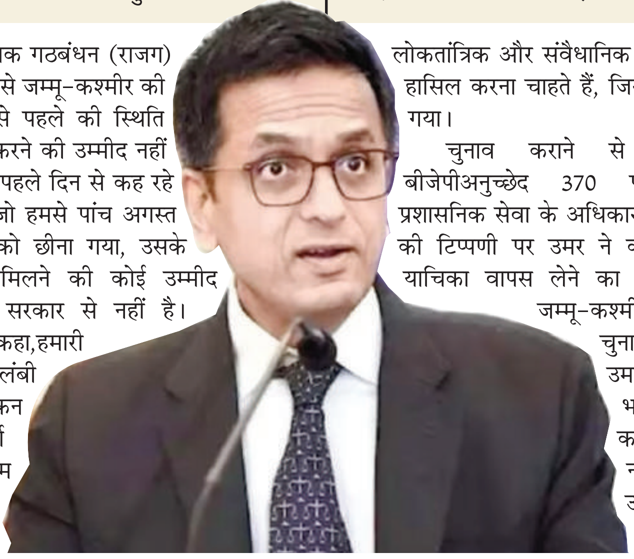

आम जनता के मन में कोई उत्साह नहीं

भाजपादूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर से आ रही अन्य राजनीतिक प्रतिक्रियाओं की बात करें तो आपको बता दें कि भाजपा प्रवक्ता मंजूर अहमद भट का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट में 370 मुद्दे पर सुनवाई को लेकर आम जनता के मन में कोई उत्साह नहीं है। उन्होंने कहा कि 370 से सिर्फ भ्रष्ट राजनेताओं को फायदा हुआ था और आम जनता का शोषण हुआ था।

कोई टिप्पणी करना जल्दबाजी

पीडीपीवहीं पीडीपी प्रवक्ता महबूब बेग ने बातचीत में कहा कि अदालत को तभी दखल देना चाहिए था जब केंद्र सरकार ने यह फैसला लिया था। उन्होंने कहा कि हमें बहुत उम्मीद नहीं है लेकिन अभी कोई टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। सज्जाद गनी लोन की पार्टी के प्रवक्ता अदनान अशरफ मीर ने कहा है कि हम 370 मुद्दे पर संविधान पीठ के गठन के फैसले का स्वागत करते हैं और हमें अदालत के निर्णय का इंतजार रहेगा।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी देंगे इस्तीफा, बंडी संजय कुमार बन सकते हैं केंद्र में मंत्री!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर केंद्रीय कैबिनेट की बैठक बुलाई गई, जिसमें केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी शामिल नहीं हुए। सूत्रों ने बताया कि कुछ ही देर में जी किशन रेड्डी मंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। बीजेपी ने जी किशन रेड्डी को तेलंगाना की जिम्मेदारी सौंपी है, उन्हें एक दिन पहले ही तेलंगाना प्रदेश इकाई का अध्यक्ष बनाया गया है।

जी किशन रेड्डी मोदी सरकार में केंद्रीय संस्कृति मंत्री का पद संभाल रहे हैं। सूत्रों ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में बंडी संजय कुमार को केंद्र सरकार में मंत्री के रूप में शामिल किए जाने की संभावना है तेलंगाना की मिली जिम्मेदारीतेलंगाना में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे ठीक पहले जी किशन रेड्डी को राज्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। केंद्रीय मंत्री रेड्डी प्रदेश अध्यक्ष के रूप में बंडी संजय कुमार की जगह लेंगे। कुमार को 2020 में प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। वह करीमनगर से सांसद हैं। पार्टी की तरफ से कहा गया कि बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन नियुक्तियों को अंतिम रूप दिया है और ये तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। मोदी कैबिनेट में फेरबदलआने वाले विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनाव को देखते हुए मोदी कैबिनेट में कई बदलाव हो सकते हैं। बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ ही दिनों में कैबिनेट विस्तार किया जाएगा। जिसमें कई मंत्रियों की कुर्सी जा सकती है। चुनावी राज्यों से कई चेहरे मोदी के मंत्रिमंडल में नजर आ सकते हैं। इसी बीच केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल की राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात होने जा रही है, वहीं शाम को 7 बजे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे।

पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल को कैबिनेट की हरी झंडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने डेटा प्रोटेक्शन बिल के लिए रास्ता साफ कर दिया है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि कैबिनेट ने इसपर अपनी सहमति दे दी है। पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल को मॉनसून सत्र में संसद में इस बिल को लाया जा सकता है।

आपको बता दें कि केंद्र ने बीते साल नवंबर में ड्राफ्ट पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन बिल 2022 को प्रकाशित किया था। इसका इंतजार लंबे समय से था। इस बिल का संशोधित संस्करण सिर्फ पर्सनल डेटा पर फोकस्ड है। इसमें नॉन पर्सनल डेटा के इस्तेमाल को रेगुलेट करने की जरूरत ही खत्म हो गई है। इस संस्करण में कहा गया है कि डेटा फिड्यूशियरी बच्चों की ट्रैकिंग या व्यवहार संबंधी निगरानी या बच्चों के लिए निर्देशित विज्ञापन का काम नहीं करेगी। अगर इस निर्देश का पालन नहीं होता है तो 500 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

मणिपुर हिंसा ने किसानों की तोड़ी कमर

खेती पर पड़ा बुरा असर, दो जून की रोटी का आ सकता है संकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में हिंसा में जान-माल को तो नुकसान हो ही रहा है अब खेती भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। दरअसल, किसान राज्य में हो रही जातीय हिंसा के कारण अपने खेतों में काम करने में असमर्थ हैं और अगर स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो पूर्वोत्तर राज्य में खाद्य उत्पादन प्रभावित होगा। इसकी वजह से आगे चलकर लोगों को दो जून की रोटी मिलना मुश्किल हो सकता है।

5,127 हेक्टेयर भूमि पर नहीं हो पाई खेतीकृषि विभाग के अनुसार कहा कि दंगों के कारण किसान खेती करने से डर रहे हैं। करीब 5,127 हेक्टेयर कृषि भूमि पर खेती नहीं हो पाई, जिसकी वजह से 28 जून तक 15,437.23 मीट्रिक टन का नुकसान हुआ। बता दें, राज्य में करीब दो से तीन लाख किसान 1.95 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर धान की खेती करते हैं। थौबल जिले में राज्य में प्रति हेक्टेयर सबसे अधिक उपज है।

जुलाई के अंत तक बढ़ेगा नुकसान अगर किसान इस मानसून सीजन में धान की खेती नहीं कर पाते हैं, तो जुलाई के अंत तक नुकसान और बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग हरसंभव प्रयास कर रहा है। इसलिए विभाग ने ऐसे उर्वरक और बीज तैयार कर लिए हैं, जिनकी कटाई कम समय में की जा सके और पानी की भी कम आवश्यकता पड़े।

हिंसा अब भी जारी

मणिपुर में 3 मई को शुरू हुई हिंसा अब तक नहीं थमी है। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जारी हिंसा को 63 दिन से ज्यादा हो गए। राज्य में हालात अभी भी गंभीर बने हुए हैं। मंगलवार को थोउबल जिले में भीड़ ने भारतीय रिजर्व बटालियन के कैंप पर हमला कर दिया और हथियार चुराने की कोशिश की। इस दौरान भीड़ और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हो गई।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक बबिता चतुर्वेदी के लिए 4पीएम आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। प्रधान संपादक- अर्चना दयाल, संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 । Email: daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in । RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।